चर्च ऑफ दि नॅझरीन के प्रति
सौं वी वर्ष गाँठ का समारोह

अक्टूबर ५, २००८

Commemorative Booklet
in Hindi

Copyright © 2007
Nazarene Publishing House, Kansas City, MO

All statistics are from 2006 official reports, the most current at time of printing.

Permission to reproduce this Leader's Guide by any mechanical or electronic means, in whole or in part, is granted only to the local Churches of the Nazarene. Use of this material is intended for non-commercial use within the church. None of the material in this program may be reproduced for any commercial promotion, advertising, or sale of a product or service. Sharing of this material with other churches or organizations is also prohibited without written permission from the copyright holder.
All rights reserved.

Nazarene Publishing House does not give permission for any material it does not own. The original uses is responsible to secure any copyright permission needed.

All Scriptures are taken from Hindi Bible O.V. © The Bible Society of India.

Authors
R. Franklin Cook
Debbie Salter Goodwin
Philip Harnner
Gay Leonard
Jesse C. Middendorf
Bayse "Bud" Reedy Jr.
Mark Cork
Roger L. Hahn
Stan Ingersol
Mark Littleton
Sherry Pinson

Translators
South Asia Literature Committee

आज हम दुनिया की १८०० कलीसिया में विश्वसेवा की, उत्तेजनपूर्व शताब्दी और प्रेरणादायक आशा का उत्सव मनाने के लिए आराधना में इकठ्ठा हुऐ हैं।

हम नासरी यीशु के अनुयायी उसके संदेश और प्रेषण की ओर आकर्षित हुए थे। उसके जीवन और सेवकाई से बंध गये थे। हमे उसके पवित्र आत्मा के द्वारा पूर्ण रितीसे छुटकारा, क्षमा, शुध्दता और परिवर्तन प्राप्त हुआ है। हम हर भाषा, संस्कृती, जाति और राष्ट्र के लोगो के साथ प्रभु का प्रेम बाँटने के उत्सुक है। सारे राष्ट्रों में यीशु के अनुयायी तैयार करना हमारा लक्ष्य है।

प्रमुख अध्यक्ष की समिती ने ५ अक्तुबर २००८ दिन को शताब्दी महोत्सव विचार के रुप में मनाने की घोषणा की है। ''अनेक से एक और एक से अनेक'' मनाते समय हम आपको अपने १५१ देशोंके भाई बहनों के साथ यह ऐतिहासिक क्षण को यादगार बनाने के लिये आमंत्रित करते है।

''यीशु ही आशा'' नये शताब्दी की घोषणा करते समय हमारा उत्सव हमें द्युतिमान सेवाकार्य के भविष्य की ओर ले जाये यह इच्छा करते है।

प्रमुख अध्यक्षों की समीती।

डॉ. फिनीआज ब्रिझी

चर्च ऑफ दि नॅझरीन
शताब्दी-महोत्सव।

आज १० लाख नॅझरीन सदस्य जो २४ समय सारणी मे है, और १८००
कलीसिया से और हर निवासी महाव्दीप से है,
हम उनके साथ विश्वव्यापी उत्सव की आराधना में शामिल हैं।

हम अपनी अनेक देशों, संस्कृतीयाँ और भाषाओं के विविधता को मनाते है।

हम अपनी श्रध्दा और पवित्र जीवन में एक विश्वास के मेल को मनाते है।

हम सभी युगो में परमेश्वर की उसके कलिसीया के प्रती निष्ठा और भविष्य के लिए उसका अभिवचन मनाते है।

पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) नीज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हे अन्धकार में से अपनी अद्भूत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। तुम पहिले तो कुछ भी नही थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हो: तुम पर दया नही हुई थी पर अब तुम पर दया हुई है।
(१ पतरस २:९-१०)

पवित्रता की घोषणा के सौ साल का उत्सव
५ अक्तुबर, २००८

हम यह विश्वास करते है ।

चर्च ऑफ दि नॅझरीन के विश्वास के नियम।

१. त्र्यैक परमेश्वर।

जो सदाजिवी, अनन्त, त्र्यैक परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के रुपमें प्रकट हुआ ।

२. यीशु मसीह।

जो पिता के साथ सार्वकालिक है, पवित्र आत्मा से देहधारी हुआ और कुँवारी मरियम से पैदा हुआ, हमारे पापों के लिये मरा और फिर मृत्यु से जीवित हुआ।

३. पवित्र आत्मा।

जो निरंतर विद्यमान और सक्रीय है। दुनिया को पाप के विषय में दोषी सिध्द करता है, पश्चातापी को पुनरुज्जीवित करता है, विश्वासीयों को पवित्र करता है और पूर्ण सत्यता में लिये चलाता है ।

४. पवित्र शास्त्रलेख।

पुराने और नये नियम की ६६ किताबें जो दैवी अंत:प्रेंरणा से दि गयी है, और दोषहिन है और हमारे उद्धार के लिये प्रभु की इच्छा प्रकट करती है।

५. पाप, मूल और व्यक्तीगत।

प्रारंभिक पाप, आदम के सारी संतान के स्वभाव की भ्रष्टता, व्यक्तीगत पाप, स्वेच्छा से परमेश्वर के परिचित नियम का उल्लंघन।

६. प्रायश्चित।

उध्दार केवल यीशु मसिह के लोहू बहाने और उसके सुलिपर के मृत्यु के द्वारा है ।

७. पूर्ववर्ती कृपा।

जो परमेश्वर से है, और जो योग्य करना चाहते है, और पापों से धार्मिकता की ओर पापक्षमा के लिये मूडते है उन्हे शक्ती देती है।

८. पश्चाताप-मनफिराव।

स्वेच्छा से पापसे पलटने के संबंधी सच्चा और पूरा मन का बदलना।

९. न्यायीपण, पुनर्जिवन और दतक-ग्रहण।

सारी दोष भावना की माफी और पापके दंड से छुटकारा, नया आत्मिक जीवन और विश्वासी का संतान के रुप मे परमेश्वर व्दारा स्विकार।

१०. संपूर्ण पवित्रीकरण।

पुनर्जिवन के पश्चात, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जिसका परिणाम हदय शुध्दी, पवित्र आत्मा का निवास, आंतरीक निवास, और अनुग्रह में वृध्दी।

११. कलीसिया।

मसिह का शरीर जो यीशु को प्रभु मानकर कबुल करता है, पवित्र आत्मा के द्वारा मसिह के छुटकारे के कार्य को आगे बढाने के लिये एकत्रित बुलाये गये है।

१२. बपतिस्मा।

एक पवित्र संस्कार, जो यीशु मसिह के प्रायश्चित के लाभ की स्विकृती विश्वासीयों को दिये जाने को दर्शता है।

१३. प्रभूभोज।

पवित्र संस्मरण संस्कार जो प्रभु की बलिदानी मृत्युकी घोषणा करता है।

१४. दैवी चंगाई।

यह दैवी चंगाई का बाइबल सिध्दांन्त, जो विश्वास की प्रार्थना की मांग करता है। हमारा यह भी विश्वास है की, परमेश्वर चिकित्सा शास्त्र के व्दारा भी चंगाई देता है।

१५. मसिह का व्दितीय आगमन।

यीशु मसिह फिरसे आयेगा। जो उसमे बने रहते है वे प्रभु को मिलने के लिये उठाये जायेंगे और उसके संग हमेशा रहेंगे।

१६. पुनरुत्थान, न्याय और अंत।

मृतकों का पुनरुत्थान और प्रत्येक व्यक्ती का न्याय के लिये परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित होना, पश्चातापीयों को सार्वकालिक जीवन और पश्चातापीहिनों को सदा का क्लेश।

उत्सव ...

एक और अनेकों की शताब्दी।

नॅझरीन शताब्दी जो वर्तमान परीवारों को संयुक्त करके एक नये परिवार का निर्माण करने की वर्षगाँठ है। एक शतक पूर्व नासरी लोग प्रमुखता से अमेरिकन परिवार के थेऔर कुछ अन्य राष्ट्रों में थे। आज हम अंतरराष्ट्रीय कलीसिया ओं का एक परिवार है जो हर एक निवासी महाद्वीपों में है। कौनसी ही एकमात्र भाषा, प्रजाती या राष्ट्रीयता हमारे सदस्यों के विषय में बहूमत का दावा नहीं करती है।

अनेकोंमें से एक, पवित्रता मे एकता।

पवित्रता की गतिविधी और उसका दोषमूक्त जीवन जो महत्व की अभिव्यक्ती से हमारे संस्थापक एक प्रजा बनाने के लिए इकट्ठे हुये। प्रारंभिक नासरीयों का आत्मिक दृष्टांत जॉन वेसली के सिद्धांत से प्राप्त किया गया है। अनुग्रह से विश्वास के द्वारा न्यायीपण, विश्वास के द्वारा अनुग्रह से पवित्रीकरण, संपूर्ण पवित्रीकरण और मनुष्यों की जीवन में परमेश्वर के कार्य की आत्मिक गवाही १८३० में पवित्रता की गतिविधी इन सिध्दांतों को विरोध करके संपूर्ण पवित्रीकरण को बढावा देने के लिए शुरु हुए।

तथापि १९०० तक यह गतिविधी टूकडों में बाँट गयी।

अक्तूबर १९०७ में दि असोसिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका और चर्च ऑफ दि नॅझरीन शिकागो, इल्लीनोईस में पहिली प्रमुख परिषद में विलीन हो गई।

अप्रेल १९०८ में -टेक्सस में आयोजित हुई मण्डलीने होलिनेस असोसिएशन टेक्सस के अधिकारीयों को सम्मिलीत कर लिया ।

सप्टेंबर १९०८ में पेनसिल्वानिया कॉन्फरन्स ऑफ दि होलीनेस चर्च संयूक्त हुआ।

अक्टूबर १९०८ में दुसरी प्रमुख परिषद पाँईट टेक्सस में हुयी, जहाँ पर होलीनेस चर्च ऑफ ख्राइस्ट का मुख्यालय था।

१९१५ मे पेन्टेकोस्टल चर्च ऑफ स्कॉटलंड और पेन्टेकोस्टल मिशन युनियन के साथ चर्च ऑफ दि नॅझरीनने सात पूर्व-संप्रदायकों की और दो अलग समुह के हिस्सों को समाविष्ट कर लिया।

उत्सव ...

एक मे से अनेक -- जगत की ओर प्रेषण कार्य।

चर्च ऑफ दि नॅझरीन एकता में अनेक संस्कृती और भाषाओं के लोग एकता में आगे बढे। १९०८ में युनायटेड स्टेट्स और कॅनडा मे कलिसीयाँ थी, और भारत केपवर्डी, मेक्सिको, और जपान मे कार्य आयोजित था। और उसके तुरंन्त बाद आफिक्रा और चीन मे कार्य शुरु हुआ। जैसे प्रमुख संचालक, एच. एफ. रेनॉल्ड्सने जगत की ओर प्रेषण कार्य की वकालत की, जिसे जागतिक सुसमाचार का समर्थन नासरी जीवन का विशेष पहलू बना। जैसे मंडली सांस्कृतीक और भाषिक विविधता में बढी, उसने १९८० में अंतरसंप्रदाय के व्दारा अनेक जागतीक कलिसीयों की एक मण्डली बनाने के लिए समर्पित किया। इस कारण नासरी मण्डली पहले प्रॉटेस्टंट संप्रदायके समान राष्ट्रीय कलिसीयां मे नही बाँटी २००१ की प्रमुख परिषद में ४२ प्रतिशत प्रतिनिधि एक तो इंग्रजी को दुय्यम भाषाकी तौर पर बोलते थे, या फिर बोलते नही थे। आज ६० प्रतिशत से भी ज्यादा नासरी और ४२८ प्रांतों के ८० प्रतिशत कलिसीयाँ अमरिका के बाहर है।

आगे आनेवाली शताब्दी में नयी चुनौतियाँ रहेंगी, लेकिन हमारे पास उचित योजनाएँ है। एक मण्डली के नाते हम अनेकों को समाविष्ट करना चाहते है। और अनेकों की मण्डली होने के नाते हम एक रहते है।

उत्सव ...

प्रेषण कार्य की शताब्दी

चर्च ऑफ दि नॅझरीन हमेशा एक अन्तराष्ट्रीय परिवार रही है। १९०८ में जब सनद संघ एक हुए तब उनका कार्य युनायटेड स्टेट्स, भारत (१९८८ में प्रस्थापित) केपवर्डी (१९०१), कॅनडा (१९०२), मेक्सिको (१९०३), और जपानमें (१९०७) था। शामिल होनेवाले समुदायने ग्वाटीमाला (१९०१), क्युबा (१९०२) और स्कॉटलंड में (१९०६) कार्य शुरु किया। जैसे नासरी कलिसीया सौ वीं वर्षगाँठ संयुक्त संप्रदाय १९१५ में के स्वरुप में २००८ में मना रही है, लेकिन उसके मुल संप्रदाय कार्य दुसरी शताब्दी में प्रवेश कर चुका है।

आज वर्ल्ड मिशन हर एक निवासी महाद्वीपोंमें पवित्रता का संदेश पहुँचाने के लिए हजारों मुल निवासी नासरीयों के साथ सैंकडो मिशनरी भेज रहा है। नासरी प्रेषणकार्य ६ जागतिक क्षेत्रोंमें बाँटा जा रहा है और वर्ल्ड मिशन विभाग के अंतर्गत हर एक क्षेत्र पर क्षेत्र संचालक है। यह ६ क्षेत्र इस प्रकार हैं (१) आफ्रिका (२) आशिया पॅसिफिक (३) कैरेबियन (४) युरेशिया (५) मेक्सिको और सेंट्रल अमेरिका और (६) साऊथ अमेरिका।

- वर्ल्ड मिशन इंटरनॅशनल कलिसीयाओं को इसके द्वारा साधनपूर्ती करता है।
- वर्ल्ड मिशन लिटरेचन - ९५ भाषाओं में पवित्रता का साहित्य
- कम्पॅशनेट मिनिस्ट्रीज - विपत्ती राहत कार्य और सहाय्यता, अन्न और वस्त्र की योजनायें, स्थायी समाधान
- नॅझरिन मिशन्स इन्टरनॅशनल - शिक्षा, प्रार्थना और सहाय्यता
- वर्ल्ड मिशन कम्युनिकेशन्स - प्रसारण, व्हिडीओ निर्मिती और इंटरनेट

- एज्युकेशन- सेवकाई और स्थानिय सभासद वर्क ॲण्ड विटनेस - सहाय्यता, अल्पावधी प्रेषण कार्य, युथ इन मिशन और युथ सर्व्हे, अल्पावधी छात्र सेवकाई।
- जिझस फिल्म - हार्वेस्ट पार्टनर्स - फिल्म द्वारा, सुसमाचार पहूँचाना जिससे ५० लाख लोगोंने यीशु के लिए निर्णय लिया और १९८८ से ८००० नए मिशन कलिसीया स्थापित हुई।

जिसे हम विदेश और स्वदेश मिशन कार्य कहते थे, वह आज जागतिक प्रेषणकार्य है जिसमें अमेरिका और कॅनडा के हर शहर और समाज सेवा नासरी कलिसीया से होती है।

- याजकवर्ग का विकास - भर्ती, तैयारी और पवित्रता का संदेश देनेवाले आवेशी अगुवों का समर्थन करना
- प्रेषणकार्य योजना -
- सुसमाचार साधनपुर्त्ती - भटके हुओं कों यीशु के पास लाना और उनको शिष्य बनाना।

नॅझरीन शताब्दी के उत्सव में १००० नयी कलिसीया स्थापित हो गयी है। आज अमेरिका और कॅनडा की कलिसीया बढ रही है, जिस में -

- ६००० कलिसीया
- ७,५०,०० सदस्य
- ५,००,००० शब्बाथ वर्ग में उपस्थिती
- ८,००,००० आराधना में उपस्थिती

उत्सव...

अध्ययन की शताब्दी

१८०० साल के अंतिम वर्षों में आद्य पवित्रता के अगुवोंने कई विश्वविद्यालयें और विद्यापीटें स्थापित की। १९०८ के प्रमुख परिषद के प्रस्थापित दिन तक, चर्च ऑफ दि नॅझरीन के सिर्फ १०,००० सदस्य थे और १४ शिक्षा संस्थायें थी। हमारे पहले प्रमुख अध्यक्ष डॉ. फिनीआज ब्रिझी ने कहा, उच्च शिक्षा इस प्रकार की है की जो कलिसीया उसकी जिम्मेदारी सरकार या दुसरों को देती है वह कलिसीया अपने आपको उत्तराधिकार से वंचित पाती है।

उसी विरासत पर आज चर्च ऑफ दी नॅझरीन के पास दुनिया के ४० राष्ट्रों में ५६ विद्यापीठ, सेमिनरीज और विश्वविद्यापीठ है। दुनियाभर में कुल ४०,००० छात्राओंने निवासी और विस्तारित अध्ययपन योजना में नामांक्न किया है।

हमारे शिक्षा संस्थायें उत्तम सेवकाई तथा मुक्तकला का अध्ययन हर स्तर पर प्रदान करती है। यह शिक्षा संस्थायें, पासबान, प्रेषक वर्ग और सामान्य जनों को तैय्यार करती है, जो सुसमाचार प्रसार, अनुयायीपन और कलिसीया स्थापन के द्वारा मसीह का प्रभाव डालते हैं।

उत्सव ...

स्थानिय प्रेषण के भागी की शताब्दी

नॅशनल मिशन इंटरनॅशनल की शुरुआत १८९९ में हुई, जब ८ महिलाओंने असोसिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका में प्रेषक कार्य को बढावा देने के लिए एक संघ का आयोजन किया जो पुरी दुनियाके स्थानिक कलिसीया के वर्ल्ड मिशन का केंद्र बिन्दु है। १९०८ तक इस संघ के ४०० सदस्य बने। १९१५ की चौथी प्रमुख परिषद में इस महिला प्रेषण संस्थाको सहाय्यक संस्था को रुप में अधिकृत रितीसे मान्यता दी गयी। १९५२ में यह संघटन पुरुष, युवालोग और बालकों के लिये खुला किया गया। यद्यपि संघटन का नाम कई बार बदल गया तो भी उसका उद्देश स्थिर रहा।

आज जगतकी चारों ओर से स्थानिक मण्डलीयों ६०,००० सदस्य और परिषद सदस्यों के साथ एन.एम.आय. स्थानिक मण्डली में प्रेषण कार्य के सहभाग को प्रेरित करने के लिए हमारा ध्यान चार सेवकाई उद्देशोंपर केंद्रिभूत करते है।

- प्रार्थनाः प्रेअर मोबिलायझेशन लाईन, नॅझरीन वर्ल्ड वीक ऑफ प्रेअर पीडीत मण्डली के लिए प्रार्थना।

- जागृती: विविध पध्दतीयो तथा साधनपूर्तिया के व्दारा प्रेषणकार्य अध्ययन
- बालक और युवालोग: आगामी पिढी के लिए सहभाग और प्रेषण सेवा कार्य़ का अनुभव
- निधीसंग्रह: जागतिक सुसमाचार प्रसार निधी प्रतिवर्ष लगभग ५ करोड डॉलर, अलाबास्त्र वर्ल्ड मिशन प्रसारण, प्रतिनियोजन और अन्य भेटें।

उत्सव ...

पवित्रता विषय पर प्रकाशन की शताब्दी

१९१२ में मुठ्ठीभर समर्पित श्रमिको नें चर्च ऑफ दि नॅझरीन के लिए साहित्य प्रदान दिया। उस समय उनके पास केवल दो मुद्रण मशीनें थी, लेकिन भरपूर विश्वास और समर्पण था। उस समय से नॅझरीन पब्लिशिंग हाऊस, कलिसीया का प्रकाशन और अंकित करनेवाले हस्तक बने है।

हमारे प्रारंभिक कलिसीया के अगुवोंने पवित्रता का संदेश समझाने और सादर करने के लिए अपनीही किताबें संगीत, पत्रिका और पाठ्यक्रम छापने और प्रवर्धन करना मुख्य और बुद्धिमानी समझा। उनके सुसंगत संदेश को प्रसिध्द करने के दृढ निश्चय द्वारा युवी पिढीयों में बंधन को दृढ किया। आज एन. पी. एच. २.५ करोड से अधिक साहित्य खंड मुद्रित कर रही है।

- ♦ बिकनहिल प्रेस: मसिही जीवन के लिए आत्मिक उन्नती, सेवकाई तथा अगुवापन की साधनपूर्ती और आध्यात्मविद्या संबंधी किताबें
- ♦ लिलिनास पब्लिशिंग कम्पनी: गायकवृंद के लिए आराधना संगीत, नाटक साधनपूर्ती और बालकोंका उपासना संगीत तथा नाटक
- ♦ वर्ड अॅक्शन पब्लिशिंग कम्पनी: शब्बाथशाला और छोटे संध का पाठ्यक्रम तथा छुट्टीयों में शास्त्रशाला, कारवाँ और बालकों के उपासना सहाय्यक साधन
- ♦ बेअर फूट मिनिस्ट्रीज: ऑनलाइन तथा मुद्रण के द्वारा शिष्यता, आध्यात्मिक रचना तथा युवा लोगों के लिए भक्तिपूर्ण साधनपूर्ति

उत्सव ...

शब्बाथ पाठशाला और चेलेपन की शताब्दी

१९०७ मे चर्च ऑफ दि नॅझरीन के प्रमुख परिषदने घोषित किया: यह जरुरी है की हरएक शब्बाथ वर्ग शिक्षक परिपूर्ण प्रेम के निश्चित अनुभव मे बने रहे ताकि हर विद्यार्थि को जीवित उदाहरण मिले। आरंभिक दिनोंमे अधिकतम चर्च ऑफ दि नॅझरीन के सदस्य पहले शब्बाथ वर्ग सदस्य रहा करते थे। इस स्थानिक शब्बाथ वर्ग के द्वारा हर मसिही को अपनापन रिश्ता और उद्धार का संदेश प्राप्त हूँआ। यह छोटे समुह मे अनुयायी बनाने की परंपरा आजभी चल रही है।

शब्बाथ पाठशाला और चेलेपन की सेवकाई आवश्यक योजनाओं और सेवाओं की पूर्ती करती है। जो मसिही चेलेपनको पवित्रता के दृष्टिकोन से समर्थन करते है। बालकों की सेवकाई, किड्स फर्स्ट क्लब, कारवॉं, क्विझींग तथा दुसरी योजना और पाठ्यक्रम उपलब्ध कराती है। वयस्कोंकी सेवकाई मे पाठ्यक्रम और ले सदस्यों के लिए प्रशिक्षण, परिवार, पुरूष, स्त्रियाँ, वृद्ध तथा अकेले वयस्कों के लिए कार्यक्रम बनाती है।

आज शब्बाथ पाठशाला समय या स्थान से सीमाबध्द नही है। वह अलग-अलग रूप में चेलेपन की शुरूआत नेतृत्व का विकास और अगले पिढी के हर उमर के व्यक्तीको उद्धार तथा पवित्रता का संदेश सुनाना जारी रखता है।

उत्सव...

युवाओं के लिए सेवकाई की शताब्दी

प्रारंभ की सेवकाई, जैसे की जवान औरतों के लिए कंपनी 'इ' तथा युवाओं के लिए सेंट स्टिफन का भाईचारा जो युवा लोगों को परमेश्वर का वचन पढने, प्रार्थना करने तथा गवाही सुनाने के लिए और तथा सुसमाचार प्रशिक्षण के लिए उकसाते रहे है।

इस शुरु के कार्यकर्ताओं ने १ तीमुथियुस ४:१२ चुन लिया "कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए; पर वचन, और चाल चलन, और प्रेम, और विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिए आदर्श बन जा।"

इस नीव के साथ युवा सेवकाई मे ५२३ सदस्य जो १९०८ में थे, वह १९२३ में १२,७६८ तक बढ गये। यह तब हुआं जब युवा नॅझरीन यंग पिपल्स सोसायटी का विधिवत गठन हुआ था।

१९७२ मे उसका नाम बदलकर नॅझरीन युथ इन्टरनॅशनल (NYI) रखा गया ताकी वह दुनिया के लोगों को भाये।

नॅझरीन युवा गतिविधी सेवकाई, सुयोग, शिबिर, प्रेषण अनुभूति, परिषद, और प्रशिक्षण का संगठन बन गई। आज नॅझरीन युथ इंटरनॅशनल मे ३,८०,००० से भी जादा युवा लोग है और जगत के हरएक क्षेत्र मे युवा सेवाओं के कार्यक्रम अमल मे लाये जाते है। हम हमेशा उच्च मसिही जीवन तथा सुसमाचार, चेलेपन तथा संघटन बनाने के पिछे लगे रहते है।

हमारी प्रमुख मुल्ये

हम मसिही लोग है ।

हम विश्वव्यापी कलिसीया के सदस्य होने के नाते, सारे विश्वासीयों के साथ यीशु मसिह के प्रभूता की घोषणा करते है। हम विशेष रुप से पवित्रता का संदेश देने के लिये, तथा वेस्लीयन पवित्रता के शिक्षा के तत्व मे विश्वसनीय रहने के लिये बुलाये गये है । यह तत्व इस प्रकार है: परमेश्वर का पुर्ववर्ती अनुग्रह, अनुग्रह के साधन, पश्चाताप, नया जीवन, न्यायीपण, संपूर्ण पवित्रीकरण, आश्वासन, मसिही समुदाय और उसका अनुशासन, और प्रेम की परिपूर्ती.

हम प्रेशण कार्य के लोग है ।

हम भेजे हुये लोग है, मसिह के बुलाहट को प्रतिसाद देकर और पवित्र आत्मा से नियुक्त होकर, अखिल सृष्टी मे जाकर मसिह की प्रभुता की गवाही देने और मण्डली की रचना करने मे, आराधना करने मे, सुसमाचार सुनाने मे, अनुशासन और सेवा के हेतु तैयार करने मे सम्मिलित है।

नॅझरीन चर्च के विषय मे, उसके विश्वास के नियम, प्रमुख मुल्ये, और विश्वव्यापी सेवाये के विषय मे अधिक जानकारी के लिये कृपया http://nazarene.org को भेंट दिजीये।

All Scriptures quotations are taken from the Holy Bible, New International Version (NIV). Copyright © 1973, 1978, 1984 by International Bible Society. Used by permission of Zondervan Publishing House. All rights reserved.

चर्च ऑफ दि नॅझरीन के इतिहास के विशेष वर्ष

१८८७ चर्च ऑफ दि नॅझरीन की पहली मुल कलीसीया का आयोजन हुआ। नामः द पीपल्स इव्हेंजिलिकल चर्च इन प्रोव्हिडन्स, ऱ्होड आयलँड।

१८९० चर्च ऑफ दि नॅझरीन का प्रारंभिक धर्मसमुदाय: द सेंट्रल इव्हँजेलिकल असोशिएशन का उगम दस न्यु इंग्लंड होलीनेस काँग्रीगेशन से उत्पन्न हुआ।

१८९५ चर्च ऑफ दि नॅझरीन लॉस एंजिलस मे संगठित हुई थी। १९०६ मे ४० से उपर मण्डलीयाँ थी।

१८९५ थ्री ब्रुकलीन न्यु यार्क लोकसमुदाय ने असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका की शुरुआत की।

१८९६ 'सेंट्रल इव्हेंजिलिकल होलिनेस असोशिएन' और 'असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका' एक दुसरे मे विलीन हो गये। १९०७ मे 'नोव्हा स्कोटिया से आयवोआ' तक लगभग ५० मण्डलीयाँ अस्तित्व मे आयी।

१८९८ उद्गम धर्मप्रान्तसे चर्च ऑफ दि नॅझरीन के मुल धर्मसमुदायने पहला प्रेषण कार्य भारत मे शुरु किया जिसका नाम 'असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्च ऑफ अमेरिका' था जो आजका 'युरेशिया' क्षेत्र है।

१८९८ पेन्टेकोस्टल अलायन्स (बादमे 'पेन्टेकोस्टल मिशन') 'नॅशव्हिली टेनसी' मे संघटित हुआ।

१८९९ चर्च ऑफ दि नॅझरीन का पहला विद्यापीठ यहाँ स्थापित हुआः 'टेक्सस होलिनेस' (बादमे 'पेनियल') युनिव्हर्सिटी (सदर्न नॅझरीन युनिव्हर्सिटी का जनक) ग्रोनव्हीला, टेक्सस के नजदिक है।

१९०१ 'असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका' की शुरुआत 'केप व्हर्डी' में हुयी, जो वर्तमान आफ्रिका क्षेत्र मे प्रथम है और धम समुदाय मे दुसरा राष्ट्र है।

१९०१ 'पेन्टेकोस्टल मिशन 'गौतेमाला' मे पहुँचा जो वर्तमान मेक्सिको और सेंट्रल अमेरिका क्षेत्र में पहला है और धर्मसमुदाय में दुसरा राष्ट्र है।

१९०२ पेन्टेकोस्टल मिशन का 'क्युबा' मे प्रवेश हुँआ जो वर्तमान 'कैरेबियन क्षेत्र में' प्रथम और धर्मसमुदाय में चौथा राष्ट्र है।

१९०२ 'असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिकाने' कॅनडा मे कलिसीया को संघटीत किया जो धमसमुदाय में पाँचवा है ।

१९०३ इंडिपेंडन्ट होलिनेस चर्चने मेक्सिको मे प्रवेश किया जो छँटा धर्मसमुदाय है।

१९०४ राइझिंग स्टार, टेक्सस मे न्यू टेस्टामेंट चर्च इंडिपेन्डट होलिनेस चर्च मे सम्मिलीत होकर 'होलिनेस चर्च ऑफ ख्राईस्ट' निर्मित हुआ।

१९०४ यू.एस. के लॉस अँजिलस मे चिनी स्थानांतरीत लोगों मे कार्य की शुरुआत हुयी।

१९०६ पर्कहेड पेन्टेकोस्टल चर्च का ग्लासगो मे संघटन हुआ जो स्कॉटलंड के 'पेन्टेकोस्टल चर्च' की वर्तमान कलिसीया है । और स्कॉटलंड धर्मसमुदाय का सांतवाँ राष्ट्र है ।

१९०७ 'पहली प्रमुख परिषद की' नासरी मण्डली और 'असोशिएशन ऑफ पेन्टेकोस्टल चर्चेस ऑफ अमेरिका' तथा चर्च ऑफ दि नॅझरीन के संयुक्ति से, ऑफ दि नॅझरीन की पेन्टेकोस्टल कलिसीया शिकागो, इलीनॉईस यहाँ स्थापन हुयी।

१९०७ जापान मे कार्य शुरु हुआ, जो वर्तमान 'एशिया पॅसिफिक' की प्रथम कलिसीया और धर्मसमुदाय का आठवाँ राष्ट्र है ।

१९०८ अक्टूबर ८, मे, 'पायलट पॉईंट' टेक्सस में दुसरी प्रमुख परिषद के समय होलिनेस चर्च ऑफ ख्राईस्ट, पेन्टेकोस्टल चर्च ऑफ दि नॅझरीन में विलीन हो गयी। बादमे वह धर्मप्रान्त के वार्षिकोत्सव दिन मे चुना गया।

१९११ स्वाझीलँड मे कार्य शुरू हुआ, जो आफ्रिकी महाद्वीप पर पहला कार्य है।

१९११ संयुक्तिक धर्म प्रान्तका प्रसिद्ध किया हुआ अधिकार तिसरी साधारण समितीने दृढ किया।

१९११ 'प्रोटेस्टंट मेथॉडिस्ट चर्चका' लुसियाना परिषद पेन्टेकोस्टल चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे संयुक्त हो गयी।

१९१२ मसूरी 'कॅनसास सिटी' मे 'नॅझरिन पब्लिशिंग हाऊस' खुल गया; जिसमे हेरॉल्ड, ऑफ होलिनेस यह धर्मप्रान्त का पत्र प्रसिद्ध होता है।

१९१३ 'द आदर शीप' (बादमे वर्ल्ड मिशन) यह पत्रिका शुरू हुई।

१९१३-१४ प्रमुख अधीक्षक एच. आर. रेनॉल्ड की एशिआ और अफ्रिका की संसार व्याप्त सफर प्रेषण कार्य के हेतु नवीन युग प्रेरित करती है।

१९१५ पेन्टेकोस्तल मिशन, चर्च ऑफ दि नॅझरीन पेन्टेकोस्तल से, यू.के., भारत, क्युबा, मेस्किको और गौटीमाला के आग्रेय दिशा की दूसरी और से मण्डलीयाँ और प्रेषण कार्य लाकर एकत्रित होते है।

१९१५ स्कॉटलंड के पेन्टेकोस्तल चर्च, चर्च ऑफ दि नॅझरीन पेन्टेकोस्तल मे विलीन हुए।

१९१५ 'वूमन्स मिशनरी सोसायटी को' (अभी नॅझरीन मिशन्स इंटरनॅशनल) चौथी साधारण समिती से अधिकार प्राप्त हुआ।

१९१७ प्रस्तुत 'साऊथ अमेरिकन रिजन' मे पहिले 'पेरू' मे कार्य खुला।

१९१९ पाचवी साधारण समिती से अधिकारपूर्वक नाम बदलकर 'चर्च ऑफ दि नॅझरीन' रखा गया।

१९१९ अमेरिकी भारतीयों के भितर काम शुरु हुआ।

१९१९ मेक्सिको मे पहिले राष्ट्रीय क्षेत्र अधीक्षक व्ही. जी. सान्तिन बने।

१९२३ साधारण मण्डली के सुविधा के हेतू एकरूप बजेट का निरीक्षण करने के लिए साधारण समिति उत्पन्न हुई।

१९२३ 'नॅझरीन यंग पीपल्स सोसायटी' (अभी 'नॅझरीन यूथ इंटरनॅशनल') को अधिकार प्राप्त हुआ।

१९२५ चर्च ऑफ दि नॅझरीन के दो अस्पताल स्थापित हुए चीन मे ब्रिझी मेमोरियल और स्वाझीलँड मे फिटकिन मेमोरियल।

१९२६ प्रीचर मेगझीन स्थायी बन गई।

१९३० विश्व के प्रेषण कार्य हेतु ईस्टर के दिन पहला दान मिला।

१९३८ भारत देश मे 'रेनॉल्डस मेमोरियल हॉस्पिटल' खुला हुआ।

१९४५ ऑस्ट्रिलिया का प्रान्त चर्च ऑफ दि नॅझरीन से जुट गया।

१९४५ अध्यात्म विद्याशाला मे पहली पदवी युक्त शाला खुल गई: मसूरी मे कानसास शहर मे नॅझरीन थिऑलॉजिकल सेमिनरी खुली।

१९४५ रेडिओ प्रतिसारण 'शॉवर्स ऑफ ब्लेसींग' शुरू हो गया।

१९४६ चर्च ऑफ दि नॅझरीन प्रधान कार्यालय मे 'स्पॅनिश डिपार्टमेंट' आयोजित हुआ।

१९४८ प्रेषण कार्य के हेतु पहले 'अलाबास्टर बॉक्स ऑफरिंग' मिल गये।

१९४८ इटलि की मण्डली चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे सम्मिलित हुई।

१९५२ इंग्लंड और साऊथ आफ्रिका के इंटरनॅशनल होलिनेस मिशन चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे संयुक्त हो गये।

१९५३ रेडिओ परिसारण - 'ला होरा नासरीना' शुरू हो गया।

१९५५ 'युनायटेड किंगडम' के 'कॅलव्हरी होलिनेस चर्च' चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे सम्मिलित हुए।

१९५८ कानडा के 'गॉस्पल वर्क चर्च' चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे सम्मिलित हुए।

१९५८ टेक्सस के पैलट पॉईंट मे गोलडन ॲनिव्हरसरी समारोह हुआ।

१९६४ कॉलिज विद्यार्थी संघ का प्रेषण - ‘नॅझरीन इव्हेंजिलिकल अँबॅसॅडर’ उत्पन्न हुआ था।

१९६७ पापुआ न्यू गिनी के कुडजोप मे नासरी अस्पताल खुल गया।

१९७४ स्विझर्लंड मे ‘फर्स्ट वर्ल्ड यूथ कंफरस’ भरा।

१९७५ नागरी सेवकाई का विशिष्ट उच्चारण वॉशिंग्टन, डी.सी. के ‘कम्युनिटी होप’ और ‘न्यू यॉर्क’ सिटी के लम्प थिएटर मे विलीन हुआ।

१९७५-७६ ‘हैती’ भुखमरी और ‘गौतेमाला’ भुकंप ने सहानुभूतीपूर्ण सेवकाई उत्तेजना को प्रोत्साहित किया।

१९७६ साधारण समिती मंण्डली के अंतराष्ट्रीय रचना के अभ्यास को अधिकार प्रदान करती है।

१९८० साधारण समिती ‘अंतर्राष्ट्रीयता’ को दृढ करती है और धर्मप्रान्त को क्षेत्रो मे बाँटती है।

१९८४ ‘नॅझरीन कम्पॅशनेट मिनिस्ट्रीज’ का कार्यालय वर्ल्ड मिशन डिव्हिजन मे खुल गया ।

१९८८ नायजेरियाके ‘इंडिजिनस नासरीन चर्च’ चर्च ऑफ दि नॅझरीन मे सम्मिलित हो गये।

१९९३ ‘इंटरनॅशनल एज्युकेशन बोर्ड’ निर्मित हुआ।

१९९७ ‘हेराल्ड ऑफ होलिनेस’ और ‘वर्ल्ड मिशन’ एक दुसरे मे विलीन हो गये और उनके द्वारा होलिनेस टुडे पत्रिका को अधिकार प्राप्त हुआ !

१९९८ यु. एस. / कॅनडा के नासरी धर्मप्रान्त के अल्पसंख्यांक बन गये।

२००८ लगभग १५१ विश्वक्षेत्र मे स्थानीय मण्डली के १.६ लक्ष से अधिक नासरीओ मे सौं वी वर्षगाँठ का समारोह दिखाई दिया।

नासरी उद्‌गम : मूल अंश

१८८७ - १९०६

‘युनायटेड स्टेटस और ग्रेट ब्रिटन’ में आरंभ होनेवाले सात वेस्लीयन होलिनेस धर्मप्रान्त के विलिनीकरण से नासरी मण्डली सिद्ध हुई है।

एकीकरण के तिमाही शतक

१८९६ - १९२२

एक समय जो आठवे का हिस्सा और सात अलग अलग पवित्रता के धर्मप्रान्त थे, वह एक पृथक मण्डली में विलीन हो गये।

एक अधिक सिद्ध संघ की तरफ

१९११ - १९२८

मण्डली के मार्गदर्शको ने सर्वसाधारण कार्यक्रम के द्वारा नॅझरीन पब्लिशिंग हाऊस और हेरल्ड ऑफ होलिनेस की स्थापना का समावेश करके विलीन हुए संघोंका अन्वेषण किया। प्रमुख अधीक्षक हिराम एफ. रेनॉल्डस् ने मिशन टू द वर्ल्ड को उत्साहित किया। प्रचुर विद्या कॉलेज का कार्य बढ गया है।

विपत्ति के बीच दृढता

१९२८ - १९४५

सख्त वित्तीय संक्रमण काल और जगत्-युद्ध २. प्रेषण कार्य समाप्ति की समीक्षा और विश्व प्रेषण कार्य की कार्यवाही के कारण बने। तथापि, चीन और स्विट्झलँड में नासरीओ ने उनके अस्पताल का विकास करना जारी रखा।

आत्मा के हेतु - मध्यान्ह शतक युद्ध
१९४५ - १९६०

युद्धेतर वृद्धि विकास ने मण्डली को सृष्टी के नये क्षेत्र मे लाया और उनमे नवीन मिलावट लायी। आत्मा के हेतु मध्याह्न शतक युद्धने मण्डली के प्रेषण कार्य के ज्ञान की विशेषता बढाई। बहुविध भाषाओं मे पहली उपाधि शिक्षालय और रेडिओ परिसारण विलीन हो गये।

युद्धेतर सुसमाचार की तरफ मुख्य प्रवाह
१९६० - १९८०

आफ्रिका और एशिआ राष्ट्र के नये नियुक्त वासिय प्रदेश और १९६० की सामाजिक क्रान्ति ने जागतिक प्रेषण कार्य और मण्डली के युवा लोगों तक पहुँचाने हेतु सुअवसर खुलवाये। लॉस्ट ॲण्ड फाऊंड जैसे पूर्व देशी युवा संगीत संघ और अध्येता प्रेषण सुअवसर जैसे स्टुडंट् मिशन कार्य का विकास हुआ था। १९७० मे शहरी और संवेदनाशील सेवकाई मण्डली के हृदयमें विस्थापित हुई थी।

अंतर्राष्ट्रीयता का युग
१९७६ - २००३

१९८० मे साधारण समिती ने, सामाजिक और राष्ट्रीय सीमारेखाओं से परे होने के लिए ‘अंतर्राष्ट्रीयता का अवलंब किया। नयी प्रेषण क्षेत्र की प्रमाण संख्या अंतर्भूत की गई। शीघ्रता से वृद्धि हो गई. १९८० में सदस्यता ६७,४,००० के उपर बढकर २००१ मे वह १.४ लक्ष हो गई। नयी सामाजिक सेवकाई की रचना नॅझरीन कम्पॅशनेट मिनिस्ट्री के द्वारा संस्थापित हुई थी।

२००७ तक भिन्न जागतिक क्षेत्रों मे नॅझरीन चर्च की शुरुआत

राष्ट्र		साल	विभाग
१.	भारत	१८९८	युरेशिया
२.	केप वर्डी	१९०१	आफ्रिका
३.	गौतेमाला	१९०१	मेक्सिको / सेन्ट्रल अमरिका
४.	क्युबा	१९०२	कैरेबियन
५.	कॅनडा	१९०२	कॅनडा
६.	मेक्सिको	१९०३	मेक्सिको / सेन्ट्रल अमरिका
७.	युनायटेड किंगडम	१९०६	युरेशिया
८.	जपान	१९०८	एशिया पॅसिफिक
९.	युनायटेड स्टेट्स	१९०८	युनायटेड स्टेट्स
१०.	स्वाझिलँड	१९११	आफ्रिका
११.	पेरु	१९१७	साऊथ अमरिका
१२.	अर्जेंटीना	१९१९	साऊथ अमरिका
१३.	साऊथ आफ्रिका	१९१९	आफ्रिका
१४.	सिरीया	१९२०	युरेशिया
१५.	इस्त्राईल	१९२१	युरेशिया
१६.	मोझांबिक	१९२२	आफ्रिका
१७.	बार्बाडोस	१९२६	कैरेबियन
१८.	त्रिनिदाद	१९२६	कैरेबियन
१९.	बेलिज	१९३४	कैरेबियन
२०.	निकारागुआ	१९३७	मेक्सिको / सेन्ट्रल अमरिका
२१.	पुअर्तो रिको	१९४४	कैरेबियन
२२.	व्हर्जीन आयर्लंड	१९४४	कैरेबियन
२३.	बोलिवीआ	१९४५	साऊथ अमरिका
२४.	ऑस्ट्रेलिया	१९४६	साऊथ अमरिका
२५.	गयाना	१९४६	कैरेबियन
२६.	फिलिपीन्स	१९४६	एशिया पॅसिफीक

२७.	इटली	१९४८	युरेशिया
२८.	साऊथ कोरिया	१९४८	एशिया पॅसिफिक
२९.	ऊरूग्वे	१९४९	साऊथ अमरिका
३०.	हैती	१९५०	कैरेबियन
३१.	जोर्डन	१९५०	युरेशिया
३२.	लेबनन	१९५०	युरेशिया
३३.	न्युझिलैन्ड	१९५२	एशिया पॅसिफिक
३४.	पनामा	१९५३	मेक्सिको/सेन्ट्रल अमरिका
३५.	पापुआ न्युगीनी	१९५५	एशिया पॅसिफिक
३६.	तैवान	१९५६	एशिया पॅसिफिक
३७.	मलावी	१९५७	आफ्रिका
३८.	अमरिकन समोआ	१९५८	एशिया पॅसिफिक
३९.	ब्राझिल	१९५८	साऊथ अमरिका
४०.	जर्मनी	१९५८	युरेशिया
४१.	डेनमार्क	१९६०	युरेशिया
४२.	झांबिआ	१९६१	आफ्रिका
४३.	चिली	१९६२	साऊथ अमरिका
४४.	झिंबाम्बे	१९६३	आफ्रिका
४५.	कोस्ट रिका	१९६४	मेक्सिको/सेन्ट्रल अमरिका
४६.	एल साल्वडोर	१९६४	मेक्सिको/सेन्ट्रल अमरिका
४७.	समोआ	१९६४	एशिया पॅसिफिक
४८.	जमैका	१९६६	कैरेबियन
४९.	नेदरलैन्ड	१९६७	युरेशिया
५०.	बर्मुडा	१९७०	युनायटेड स्टेट्स
५१.	होन्डुरास	१९७०	मेक्सिको/सेन्ट्रल अमरिका
५२.	बहामास	१९७१	कैरेबियन
५३.	गुआम	१९७१	एशिया पॅसिफिक
५४.	इक्कडोर	१९७२	साऊथ अमरिका

५५.	सेंट लुईस	१९७२	कैरेबियन
५६.	अन्तीगुआ	१९७३	कैरेबियन
५७.	इन्डोनेशिआ	१९७३	एशिया पॅसिफिक
५८.	नामिबिआ	१९७३	आफ्रिका
५९.	पोर्तुगाल	१९७३	युरेशिया
६०.	डोमिनिका	१९७४	कैरेबियन
६१.	डोमिनिकल रिप.	१९७४	कैरेबियन
६२.	हाँगकाँग	१९७४	एशिया पॅसिफिक
६३.	कोलंबिआ	१९७५	साऊथ अमरिका
६४.	सेंट विन्सेंट	१९७५	कैरेबियन
६५.	मार्टिनिक	१९७६	कैरेबियन
६६.	फ्रान्स	१९७७	युरेशिया
६७.	ग्रिनेडा	१९७७	कैरेबियन
६८.	नैजेरिआ	१९७७	आफ्रिका
६९.	स्वित्झर्लैन्ड	१९७८	युरेशिया
७०.	पराग्वै	१९८०	साऊथ अमरिका
७१.	स्पेन	१९८१	युरेशिया
७२.	वेनेझुयेला	१९८२	साऊथ अमरिका
७३.	सेंट किट्स-नेविस	१९८३	कैरेबियन
७४.	अझोरेस	१९८४	युरेशिया
७५.	बोत्स्वाना	१९८४	आफ्रिका
७६.	केनिया	१९८४	आफ्रिका
७७.	म्यंमार (बर्मा)	१९८४	एशिया पॅसिफिक
७८.	सुरिनाम	१९८४	कैरेबियन
७९.	सैप्रस	१९८५	युरेशिया
८०.	इजिप्त	१९८६	युरेशिया
८१.	गुआडलुप	१९८६	कैरेबियन
८२.	कोट डिवोर	१९८७	आफ्रिका

८३.	आयलैन्ड	१९८७	युरेशिया
८४.	फ्रेन्च गयाना	१९८८	कैरेबियन
८५.	सेनेगल	१९८८	आफ्रिका
८६.	युगान्डा	१९८८	आफ्रिका
८७.	थायलैन्ड	१९८९	एशिया पॅसिफिक
८८.	काँगो, डिम. रिप	१९९०	आफ्रिका
८९.	घाना	१९९०	आफ्रिका
९०.	लिबेरिआ	१९९०	आफ्रिका
९१.	रुआंन्डा	१९९०	आफ्रिका
९२.	टांझानिआ	१९९०	आफ्रिका
९३.	आंगोला	१९९२	आफ्रिका
९४.	बांग्लादेश	१९९२	युरेशिया
९५.	कंबोडिआ	१९९२	एशिया पॅसिफिक
९६.	इथिओपिआ	१९९२	आफ्रिका
९७.	रोमेनिआ	१९९२	युरेशिया
९८.	रशिया	१९९२	युरेशिया
९९.	सालोमन आलैन्ड	१९९२	एशिया पॅसिफिक
१००.	युक्रेन	१९९२	युरेशिया
१०१.	अल्बानिआ	१९९३	युरेशिया
१०२.	एरिट्रेस	१९९३	आफ्रिका
१०३.	लिसेतो	१९९३	आफ्रिका
१०४.	मडगास्कर	१९९३	आफ्रिका
१०५.	बल्गेरिआ	१९९४	युरेशिया
१०६.	संपर्क क्षेत्र ॐ३	१९९४	
१०७.	सेंट मार्टिन	१९९४	कैरेबियन
१०८.	फिजी	१९९५	एशिया पॅसिफिक
१०९.	पलाउ	१९९५	एशिया पॅसिफिक
११०.	हंगेरी	१९९६	युरेशिया

१११.	कझाकस्तान	१९९६	युरेशिया
११२.	पाकिस्तान	१९९६	युरेशिया
११३.	बर्किना फासो	१९९७	आफ्रिका
११४.	कांगो, िरप.	१९९७	आफ्रिका
११५.	साओ टोम	१९९७	आफ्रिका
११६.	बेनिन	१९९८	आफ्रिका
११७.	नेपाल	१९९८	युरेशिया
११८.	टोगो	१९९८	आफ्रिका
११९.	बुरुन्डी	१९९८	आफ्रिका
१२०.	कॅमेरुन	१९९८	आफ्रिका
१२१.	संपर्क क्षेत्र ३१	१९९९	
१२२.	संपर्क क्षेत्र ३५	१९९९	
१२३.	संपर्क क्षेत्र ३७	१९९९	
१२४.	क्रोयेशिआ	१९९९	युरेशिया
१२५.	गाबोन	१९९९	आफ्रिका
१२६.	पोलन्ड	१९९९	युरेशिया
१२७.	सुदान	१९९९	आफ्रिका
१२८.	आरुबा	२०००	कैरेबियन
१२९.	चुक्क	२०००	एशिया पॅसिफिक
१३०.	संपर्क क्षेत्र ३२	२०००	
१३१.	मासेदोनिआ	२०००	युरेशिया
१३२.	पोहन्पे	२०००	एशिया पॅसिफिक
१३३.	सैपॅन	२०००	एशिया पॅसिफिक
१३४.	श्रिलंका	२०००	युरेशिया
१३५.	टोंगा	२०००	एशिया पॅसिफिक
१३६.	संपर्क क्षेत्र ३४	२००१	
१३७.	इस्ट तिमोर	२००१	एशिया पॅसिफिक
१३८.	वेनुतु	२००१	एशिया पॅसिफिक

१३९.	अर्मेनिआ	२००२	युरेशिया
१४०.	संपर्क क्षेत्र ३६	२००२	
१४१.	इक्वेटोरिअल गिनिआ	२००२	आफ्रिका
१४२.	ग्रीस	२००२	युरेशिया
१४३.	मदेरा बेट	२००२	युरेशिया
१४४.	संपर्क क्षेत्र ३८	२००३	
१४५.	संपर्क क्षेत्र ३९	२००३	
१४६.	रियुनियन	२००३	आफ्रिका
१४७.	गिनिआ बिसाऊ	२००४	आफ्रिका
१४८.	सिएरा लिओन	२००४	आफ्रिका
१४९.	कासोवो	२००५	युरेशिया
१५०.	इराक	२००६	युरेशिया
१५१.	झंझिबार	२००६	आफ्रिका